श्री कामाक्षी चूर्णिका

श्रीचंद्रमौळीश्वराय नमः! श्रीकामाक्षी देव्यै नमः!
जय जय श्रीकामगिरींद्र निलये! जय जय श्रीकामकोटिपीठस्थिते!

जय जय श्रीत्रिचत्वारिंशत्कोण श्रीचक्रांतरालबिंदु पीठोपरिलसत्
पंचब्रह्ममय मंचमध्यस्थ श्रीशिवकामेश वामांकनिलये!

जय जय श्रीविधि हरिहर सुरगण वंदित चरणारविंदयुगळे!
जय जय श्रीमत् रमावाणींद्राणी प्रमुखरमणी करकमल समर्पित
चरणकमले!

जय जय श्रीनिखिल निगमागम सकल संवेद्यमान विविध वस्त्रालंकृत
हेमनिर्मित अनर्घ भूषणभूषित दिव्यमूर्ते!

जय जय श्रीअनवरताभिषेक धूपदीप नैवेद्यादि नानाविधोपचारैः
परिशोभिते!

जय जय श्रीश्रीकांची नगर्यां द्वात्रिंशत् धर्मप्रतिपादनार्थं स्थापित
हेमध्वजालंकृत!

जय जय श्री सकल मंत्रतंत्रयंत्रमय पराबिलाकाश स्वरूपे!

जय जय श्रीकांचीनगर्यां कामाक्षी इति प्रख्यात नामांकिते!
जय जय श्री महात्रिपुरसुन्दरी बहुपराक्!

© 2022 Vedam Nadam